प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर – 331 403

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

स्मृति सप्ताह का अंतिम दिन

आचार्य महाप्रज्ञ करुणा के मूर्तिमान आदर्श थे : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 15 मई।

आचार्य महाश्रमण ने स्मृति सप्ताह के अंतिम दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ करूणा, मृदुता, वत्सलता और प्रसन्नता के मूर्तिमान आदर्श थे। उन्होंने अपने व्यवहार से सभी को अपना बनाया था। इसी कारण श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों की लंबी कतार है। इतने दिनों तक स्मृति सभा होने पर भी वक्ताओं की लम्बी सूची शेष रह गई है। इसको देखते हुए एक महीने तक समय–समय पर ऐसे महामानव की स्मृति की जाये ऐसा मेरा चिंतन है।

एक साल तक मनाई जाऐगी मासिक पुण्य तिथि

आचार्य महाश्रमण ने आचार्य महाप्रज्ञ की स्मृति में घोषित साप्ताहिक आध्यात्मिक अनुष्ठान की समयावधि के साथ सम्पन्नता की चर्चा करते हुए कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ ने आगम सम्पादन के द्वारा जैन धर्म की अनुपम सेवा की है। उन्होंने लुप्त होती जैन योग पद्धति को पुर्नजीवित कर जैन योग के पुनरूद्धारक कहलाएं हैं परम पूज्य आचार्य प्रवर ने अहिंसा यात्रा कर जन–जन का कल्याण किया है। उनके द्वारा प्रदत जीवन विज्ञान को शिक्षण संस्थानों देखा जा सकता है। आचार्य महाश्रमण ने एक साल तक आचार्य महाप्रज्ञ की मासिक पुण्यतिथि धर्मसंघ के स्तर पर सम्पूर्ण देश में मनाने की घोषणा की।

स्मृति सभा में 31 वर्षों से आचार्य महाप्रज्ञ की सेवा में रहने वाले एवं उनकी पुस्तकों के सम्पादक मुनि धनंजय कुमार ने ''महाप्रज्ञ आज भी जीवित है' नामक स्वरचित कविता की प्रस्तुति देते हुए कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ ने मेरे पर विश्वास किया और मुझे सफलता के सूत्र दिये। 17 वर्षों से सेवा में नियुक्त मुनि जयकुमार ने अपने सौभाग्य के क्षणों को याद करते हुए अपनी भावांजलि प्रस्तुत की। मुनि कुमार श्रमण ने आचार्य महाप्रज्ञ को प्रेम से सबको आप्लावित करने वाला महापुरुष बताते हुए कहा कि ऐ! मोत मत अभिमान कर, ऐसे लोग मरा नहीं करते। मुनि पानमल, मुनि मोहजीतकुमार, मुनि कीर्ति कुमार, मुनि महावीरकुमार, मुनि अक्षय प्रकाश, साध्वी तन्मयप्रभा, समणी सन्मतिप्रज्ञा, समणी भावितप्रज्ञा, मुमुक्षु सुमेरमल गोठी, तारा दुगड़, सुनीता सेठिया, आदि ने वक्तव्यों के द्वारा भाव सुमन अर्पित किये। साध्वी शुभ्रयशा आदि साध्वीवृंद एवं समणी समुदाय ने गीतों के द्वारा महाप्रभु को श्रद्धांजलि दी।

आज होगा अक्षय तृतीया महोत्सव

आचार्य महाश्रमण के शिष्य मुनि जयंतकुमार ने बताया कि आज ताल मैदान में अक्षय तृतीया महोत्सव आयोजित होगा। इस महोत्सव में वर्षीतप करने वाले भाई बहिन सम्पूर्ण देश से पारणा करने के लिए उपस्थित होते हैं। उन्होंने बताया कि आचार्य महाश्रमण इस महोत्सव को सान्निध्य प्रदान करने के लिए श्रीसमवसरण से 7.50 पर जुलूस के साथ प्रस्थान करेंगे। इस महोत्सव में हजारों की उपस्थिति होगी।

पूर्व उपराष्ट्रपति भैरूंसिंह शेखावत के निधर पर
आचार्य महाश्रमण का विशेष संदेश

''अभी संवाद मिला कि भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति श्री भैरूंसिंहजी शेखावत का स्वर्गवास हो गया। उन्होंने राष्ट्र और राजस्थान प्रान्त की सेवा की। परम पूज्य गुरुदेव तुलसी और परम पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री महाप्रज्ञ के साथ अच्छा सम्पर्क रहा। अनेक बार वे उनके कार्यक्रमों में आए। अणुव्रत आंदोलन से भी वे जुड़े हुए थे। उनका देहावसान एक विशिष्ट राजनीतिक व्यक्ति की क्षति का अहसास करा रहा है। इस वियोग की बेला में उनके पारिवारिक व संबंधीजन खूब धैर्य ओर मनोबल रखें तथा उनकी विशेषताओं को आत्मसात करने का प्रयास करें।''

सरदारशहर **— आचार्य महाश्रमण**
15 मई, 2010

शीतल बरड़िया
(मीडिया संयोजक)